# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| जीवन आधार न्यूज | 12.09.2021 | -- | -- |




हिसार

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

SHARE 0

## *केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में मिला स्थान*

हिसार,
हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है।
केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे।
विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान : कुलपति
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली विभिन्न उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| एचआर ब्रेकिंग न्यूज | 12.09.2021 | -- | -- |

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

**हिसार :** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है।

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

**विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज :** विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली निरंतर उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य किए जाएंगे।

**इससे पहले भी कई उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम :** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

## इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत साइंस,कला संकाय, सोशल साइंस व अप्लाइड साइंस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान के आधार अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इसमें शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों के आधार जॉब प्लेसमेंट, विद्यार्थियों के दाखिला और पास आउट अनुपात, शिक्षक व विद्यार्थी अनुपात, विद्यार्थी को उपलब्ध करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैब, उपकरणों के लिए बजट और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोजेक्ट,पेटेंट आदि को आधार बनाया जाता है।

**शोध व शिक्षण कार्यों ने दिलाई पहचान :** महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। इस पहचान ने हमें जिम्मेदारियों के साथ भविष्य में देशभर में नंबर वन की रैंकिंग को कायम रखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी में प्रदेश में प्रथम जबकि देशभर में दूसरी रैंकिंग हासिल की है जबकि लेडी इरविन कॉलेज दिल्ली प्रथम स्थान पर रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक सवेरा | 12.09.2021 | -- | -- |

हरियाणा

दैनिक सवेरा टाइम्स

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

**केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा जारी नैशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में मिला स्थान**

हिसार, 11 सितंबर (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है।

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नैशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा

वी. दलल सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर वी.आर. काम्बोज का फाइल फोटो

वर्ष 2021 के लिए जारी नैशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में देशभर से 1802 कालेज शामिल हुए थे।

**शोध व शिक्षण कार्यों ने दिलाई पहचान :** महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। इस पहचान ने हमें जिम्मेदारियों के साथ भविष्य में देशभर में नंबर वन की रैंकिंग को कायम रखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी में इंदौर में प्रथम जबकि देशभर में दूसरी रैंकिंग हासिल की है जबकि लेडी इरविन कॉलेज दिल्ली8 प्रथम स्थान पर रहा है।

**हकृवि की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान : कुलपति**

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर वी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और अधिक ऊंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य किए जाएंगे।

## इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत साइंस, कला संकाय, सोशल साइंस व अपलाइड साइंस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों के अलावा जॉब प्लेसमैंट, विद्यार्थियों के दाखिला और पास आउट अनुपात, शिक्षक व विद्यार्थी अनुपात, विद्यार्थी को उपलब्ध करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैब, उपकरणों के लिए बजट और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम, पेटेंट आदि को आधार बनाया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| The Tribune | 12.9.21 | 3 | 1-3 |

# HAU best among Central varsities in NIRF ratings

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, SEPTEMBER 11

In a major achievement for Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), its Indira Chakravarty College of Home Science has secured the first rank among the state and Central farm universities across the country in the National Institutional Ranking Framework (NIRF) released by the Union Ministry of Human Resource and Development for 2021.

A total of 1,802 colleges from across the country were assessed. HAU Vice Chancellor Prof BR Kamboj said this feat was made possible due to the consistent efforts of the college staff. He said in order to achieve more heights in future, work would be done by preparing a special action plan.

1,802 colleges from across the country assessed. TRIBUNE PHOTO

"Various criteria have been decided for the ranking by the Union Ministry of Human Resource and Development. Colleges of science, arts faculty, social science and applied science under the UGC and ICAR were included from across the country. In addition to teaching and research, job placement, student enrolment and pass out ratio, teacher-student ratio, facilities provided to students, labs for research, budget for equipment and its proper use, research programmes and patents, etc. were the factors for deciding the ranking," a spokesperson of the university said.

College dean Bimla Dhanda said the research and teaching work had helped the college gain recognition at the national level.

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| Indian Express | 10.9.21 | 6 | 3-4 |

**CCSHAU (MOU)**

CCSHAU pearl millet varieties are adopted across the states of India MOU signed with three reputed companies for providing pearl millet seeds to farmers .The improved hybrid varieties of Bajra (Pearl millet) developed by Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University will now make their mark not only in Haryana but also in other states of the country. Targeting the easy availability of seeds to farmers across states, the University has signed the non-exclusive license agreements with three leading Indian companies for technology commercialization under Public Private Partnership mode. While signing the pact, Worthy Vice Chancellor, Prof. B.R. Kamboj said that research achievements of the scientists must reach the end users 'farmers'.

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 12.9.21 | 2 | 4-5 |

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

## नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में स्थान

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के नाम एक ओर बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन आई आर एफ) में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। इस पहचान ने हमें जिम्मेदारियों के साथ भविष्य में देशभर में नंबर वन की रैंकिंग को कायम रखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी में प्रदेश में प्रथम जबकि देशभर में दूसरी रैंकिंग हासिल की है जबकि लेडी इरविन कॉलेज दिल्ली प्रथम स्थान पर रहा है।

एचएयू को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 12.9.21 | 4 | 3-5 |

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देश में मिली प्रथम रैंकिंग

## नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में मिली उपलब्धि, देशभर से शामिल हुए थे 1802 कॉलेज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय को देश के राज्य कृषि. विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग मिली है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई। इसमें देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि भविष्य में और अधिक ऊंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य किए जाएंगे। रैंकिंग के लिए देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत साइंस, कला संकाय, सोशल साइंस व अपलाइड सांइस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान के अलावा अवॉर्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों के अलावा जॉब प्लेसमेंट, विद्यार्थियों के दाखिला और पास आउट अनुपात, शिक्षक व विद्यार्थी अनुपात, विद्यार्थी को उपलब्ध करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैब, उपकरणों के लिए बजट और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम, पेटेंट को आधार बनाया जाता है।

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि जिम्मेदारियों के साथ भविष्य में नंबर वन की रैंकिंग को कायम रखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। होम साइंस महाविद्यालयों की श्रेणी में प्रदेश में प्रथम, देशभर में दूसरी रैंकिंग मिली।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पाठक पक्ष | **11.09.2021** | --- | --- |

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

**हिसार ( रा.न्यूज )।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसके अलावा होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी में देशभर में दूसरी रैंकिंग प्राप्त की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे।

### विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली निरंत उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और अधिक ऊंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य करना होगा। साथ ही महाविद्यालय को हर प्रकार की सुविधा व सहायता प्रदान करते हुए प्रयास किए जाएंगे।

### शोध व शिक्षण कार्यों ने दिलाई पहचान

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। इस पहचान ने हमें जिम्मेदारियों के साथ भविष्य में देशभर में नंबर वन की रैंकिंग को कायम रखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। इस रैंकिंग का श्रेय महाविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षकों व छात्राओं को जाता है जिन्होंने कड़ी मेहनत कर यह मुकाम हासिल किया है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पल पल | 11.09.2021 | -- | -- |

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

### केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में मिला स्थान

**पल पल न्यूज: हिसार, 11 सितंबर (मनमोहन शर्मा)।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक ओर बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसके अलावा होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी में देशभर में दूसरी रैंकिंग प्राप्त की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित्त उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और अधिक ऊंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य करना होगा। साथ ही महाविद्यालय को हर प्रकार की सुविधा व सहायता प्रदान करते हुए प्रयास किए जाएंगे।

## शोध व शिक्षण कार्यों ने दिलाई एचएयू को पहचान

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला खंडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। इस पहचान ने हमें जिम्मेदारियों के साथ भविष्य में देशभर में नंबर वन की रैंकिंग को कायम रखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। इस रैंकिंग का श्रेय महाविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षकों व छात्राओं को जाता है जिन्होंने कड़ी मेहनत कर यह मुकाम हासिल किया है। इससे पहले भी कई उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया था। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला था।

### इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत साइंस,कला संकाय, सोशल साइंस व अपलाइड साइंस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों के अलावा जॉब प्लेसमेंट, विद्यार्थियों के दाखिला और पास आउट अनुपात, शिक्षक व विद्यार्थी अनुपता, विद्यार्थी को उपलब्ध करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैब, उपकरणों के लिए बजट और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम,पेटेंट आदि को आधार बनाया जाता है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हिसार टुडे | 11.09.2021 | -- | -- |

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

**केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेर्मवर्क में मिला स्थान**

टुडे न्यूज। हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक ओर बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेरमवर्कमें विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है।

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेरमवर्क में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित्त उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और अधिक ऊंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य किए जाएंगे। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत साइंस,कला संकाय, सोशल साइंस व अपलाइड सांइस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों के अलावा जॉब प्लेसमेंट, विद्यार्थियों के दाखिला और पास आउट अनुपात, शिक्षक व विद्यार्थी अनुपता, विद्यार्थी को उपलब्ध करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैब, उपकरणों के लिए बजट और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम,पेटेंट आदि को आधार बनाया जाता है। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय का फाइल फोटो।

### इससे पहले भी कई उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया था। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला था।

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| नभ-छोर | 11.09.2021 | -- | -- |

# हकृवि के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

हिसार/11 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसके अलावा होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी में देशभर में दूसरी रैंकिंग प्राप्त की है। इसमें कुल 1802 कॉलेज शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित्त उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पांच बजे | 11.09.2021 | -- | -- |

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

## केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में मिला स्थान

पांच बजे न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसके अलावा होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी में देशभर में दूसरी रैंकिंग प्राप्त की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी एनआईआरएफ में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे।



**विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान : प्रो. काम्बोज**

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित्त उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और अधिक ऊंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य करना होगा। साथ ही महाविद्यालय को हर प्रकार की सुविधा व सहायता प्रदान करते हुए प्रयास किए जाएंगे।

**इस आधार पर तय होती है रैंकिंग**

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत साइंस,कला संकाय, सोशल साइंस व अपलाइड साइंस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों के अलावा जॉब प्लेसमेंट, विद्यार्थियों के दाखिला और पास आउट अनुपात, शिक्षक व विद्यार्थी अनुपता, विद्यार्थी को उपलब्ध करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैब, उपकरणों के लिए बजट और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम,पेटेंट आदि को आधार बनाया जाता है।

**शोध व शिक्षण कार्यों ने दिलाई पहचान**

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। इस पहचान ने हमें जिम्मेदारियों के साथ भविष्य में देशभर में नंबर वन की रैंकिंग को कायम रखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। इस रैंकिंग का श्रेय महाविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षकों व छात्राओं को जाता है जिन्होंने कड़ी मेहनत कर यह मुकाम हासिल किया है।

**इससे पहले भी कई उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (ARIIA) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया था। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला था।

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| क्रांति न्यूज | 11.09.21 | -- | -- |

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

**हांसी क्रांति न्यूज**

**हिसार, : सुरेश शर्मा** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक ओर बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क (ह्वक्त्र) में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क (ह्वक्त्र) में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान = प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित्त उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और अधिक



ऊंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य किए जाएंगे।

**इस आधार पर तय होती है रैंकिंग**

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत साइंस,कला संकाय, सोशल साइंस व अपलाइड सांइस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों के अलावा जॉब प्लेसमेंट, विद्यार्थियों के दाखिला और पास आउट अनुपात, शिक्षक व विद्यार्थी अनुपता, विद्यार्थी को उपलल्ध करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैब, उपकरणों के लिए बजट और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम,पेटेंट आदि को आधार बनाया जाता है। शोध व शिक्षण कार्यों ने दिलाई पहचान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। इस पहचान ने हमें जिम्मेदारियों के साथ भविष्य में देशभर में नंबर वन की रैंकिंग को कायम रखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी



में प्रदेश में प्रथम जबकि देशभर में दूसरी रैंकिंग हासिल की है जबकि लेडी इरविन कॉलेज दिल्ली प्रथम स्थान पर रहा है। इससे पहले भी कई उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (ऋड्डइ) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया था। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला था।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| समस्त हरियाणा | 11.09.21 | -- | -- |

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देश में मिली प्रथम रैंकिंग

**प्रथम सौ में भी शामिल नहीं हुआ प्रदेश का कोई अन्य कालेज केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क में मिला स्थान**

समस्त हरियाणा न्यूज

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसके अलावा होम साइंस महाविद्यालयों की कैटेगरी में देशभर में दूसरी रैंकिंग प्राप्त की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली वित्त उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में और अधिक ऊंचाइयां हासिल करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्य करना होगा। साथ ही महाविद्यालय को हर प्रकार की सुविधा व सहायता प्रदान करते हुए प्रयास किए जाएंगे। इस आधार पर तय होती है रैंकिंग केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत साइंस,कला संकाय, सोशल साइंस व अपलाइड सांइस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों के अलावा जॉब प्लेसमेंट, विद्यार्थियों के दाखिला और पास आउट अनुपात, शिक्षक व विद्यार्थी अनुपता, विद्यार्थी को उपलब्ध करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैब, उपकरणों के लिए बजट और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम,पेटेंट आदि को आधार बनाया जाता है। शोध व शिक्षण कार्यों ने दिलाई पहचान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। इस पहचान ने हमें जिम्मेदारियों के साथ भविष्य में देशभर में नंबर वन की रैंकिंग को कायम रखने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। इस रैंकिंग का श्रेय महाविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षकों व छात्राओं को जाता है जिन्होंने कड़ी मेहनत कर यह मुकाम हासिल किया है।

**इससे पहले भी कई उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और सम्मानित किया जा चुका है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया था। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| देशबन्धु | 11.09.2021 | -- | -- |

# एचएयू के होम साइंस कॉलेज को देशभर में मिली प्रथम रैंकिंग

**विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित्त उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है:-कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज**

हिसार, 11 सितम्बर (देशबन्धु)। हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों व केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम रैंकिंग हासिल की है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में देशभर से 1802 कॉलेज शामिल हुए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित्त उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा प्रथम रैंकिंग हासिल करना बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने महाविद्यालय की अधिष्ठाता, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदंड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों के अलावा जॉब प्लेसमेंट, विद्यार्थियों के दाखिला और पास आउट अनुपात, शिक्षक व विद्यार्थी अनुपात, विद्यार्थी को उपलब्ध करवाई जाने वाली सुविधाएं, अनुसंधान के लिए लैब, उपकरणों के लिए बजट और उसका उचित प्रयोग, रिसर्च प्रोग्राम,पेटेंट आदि को आधार बनाया जाता है। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि महाविद्यालय के शोध व शिक्षण कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है।